हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 36 .6 डिग्री
न्यूनतम 16 .0 डिग्री

11 भगवान श्री कृष्ण ने अपनी अद्भुत लीलाओं से दुनिया को दी नई सीखः जितेंद्र दीक्षित

12 मौसम साफ होने के बाद चढ़ने लगा पारा, अगले सप्ताह पसीने छुड़ाने लगेगी गर्मी

एक साल में दर्जनों लोगों को कर चुके घायल, महिला व बुजुर्ग गंवा चुके जान

सड़कों पर घूमते गोवंश बने आफत, पकड़ने में की जा रही खानापूर्ति, अनाजमंडी भी नहीं सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर की सड़कों पर लोगों की आफत बने गोवंश को पकड़ने के लिए नगर परिषद की ओर से एजेंसी का ठेका दिए 20 दिन से ज्यादा हो चुके है, लेकिन गायों को पकड़ने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। एजेंसी की लापरवाही के कारण शहर की सड़कों से गोवंश की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। नगर परिषद के अनुसार टेंडर देने के बाद से 157 गोवंश पकड़कर गोशाला भेजे जा चुके है। शहर की सड़कों पर घूमते ज्यादातर पशु पालतू है, जिनको पशुपालक दूध दोहने के बाद खुला छोड़ देते हैं और ये पशु आक्रमक होकर लोगों पर हमला करके शिकार बना रहे है। टेंडर होने के बाद भी शहर की सड़कों पर गोवंश की संख्या कम होती नजर नहीं आ रही है। शहर के मुख्य मार्गो, बाजार, कॉलोनी व मौहल्ले में हर तरफ गोवंश नजर आ रहे है। पिछले दिनों गोवंश एक बुजुर्ग व महिला की जान ले चुके है और एक साल में दर्जनों लोगों को घायल करके अस्पताल पहुंचा चुके है।

रेवाड़ी। सेक्टर–5 में लगा गोवंश का जमावड़ा। फोटो : हरिभूमि

टेंडर होने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति

रेवाड़ी। अनाजमंडी में फसल में मुंह मारती गाएं। फोटो : हरिभूमि

आक्रमक होकर लोगों पर हमला कर रहे

शहर में गोवंश के हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले दिनों गाय के हमले से सेक्टर-4 निवासी बुजुर्ग व भाड़ावास रोड स्थित एक महिला की मौत हो चुकी है। करीब चार साल पहले दो सांडों की लड़ाई में एक फोटोग्राफर की मौत हो गई थी। सड़कों पर घूमते गोवंश आक्रमक होकर एक साल में दर्जनों लोगों को घायल करके अस्पताल पहुंचा चुके है। शहर में अनाजमंडी, नाईवाली संब्जी मंडी, ब्रास मार्केट, सेक्टर-5, महाराणा प्रताप, बाइपास, सेक्टर-1 और भाड़ावास रोड पर हर समय गोवंश का जमावड़ा रहता है। सड़कों पर बैठे गोवंश के कारण यातायात भी बाधित हो रहा है।

जल्द ही अभियान होगा तेजः नांदल

शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई जारी है। अब तक 157 गोवंश पकड़े भी जा चुके हैं। सड़कों पर घूमती बेसहारा व पालतू गायों को गोशाला भेजा जा रहा है। जल्द ही अभियान में तेजी लाई जाएगी।
-अरुण नांदल, ईओ, नगर परिषद।

पशुपालकों पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई

शहर की सड़कों पर घूमती गाएं ज्यादातर पशुपालकों की है। जिनको दूध दोहने के बाद सड़कों पर खुला ही छोड़ दिया जाता है। इन गायों को पकड़ने पर पशुपालक एजेंसी के कारिंदों का विरोध कर अपनी पशुओं को छुड़ा ले जाते है। वही कुछ पशुपालक नगर परिषद कार्यालय में पहुंचकर अधिकारियों के सामने बहाने बनाकर भी गायों को छुड़ा लेते है, जिसके बाद इन गोवंशों को लोगों की परेशानी बढ़ाने के लिए फिर से सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। नप अधिकारी भी इन पशुपालकों पर नकेल कसने में नाकाम हो रहे है।

रेवाड़ी। बावल रोड पर सचिवालय के पास गोवंश का जमावड़ा। फोटो : हरिभूमि

अब तक 157 गोवंश पकड़ने का दावा

नगर परिषद की ओर से गोवंश को पकड़कर गोशालाओं में भेजने के लिए एक साल के लिए करीब 36 लाख रुपये का टेंडर किया गया है। नप अधिकारियों के अनुसार शहर से करीब 2000 गोवंश पकड़े जाएंगे, लेकिन सूत्रों के अनुसार अभी तक 157 के करीब गोवंश ही पकड़े गए है लेकिन सड़कों पर गायों की संख्या से एजेंसी व नगर परिषद की लापरवाही साफ नजर आ रही है। नगर परिषद की ओर से एक गाय पकड़ने 2000 रुपये, सांड के लिए 1980 व एक बछड़े को पकड़ने के लिए 1680 रुपये निर्धारित किए गए है।

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक पर बीच सड़क में खड़े सांड। फोटो : हरिभूमि

अनाजमंडी में किसान व आढ़ती परेशान

इन दिनों अनाजमंडी में पूरे दिन गोवंश फड़ पर घूमते रहते है। गोवंश फसलों में मुंह मारकर किसानों को नुकसान पहुंचा रहे है। अव्यवस्था के कारण किसानों को थोड़ी-थोड़ी देर में गायों के पीछे भागना पड़ रहा है। अनाजमंडी में हर तरफ गोवंश घूमते नजर आ रहे है। यहां तक सरसों व गेहूं की ढेरियों पर गोबर करके फसल को गंदा कर रहे है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी टैंपो चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक टैंपो चालक को गिरफ्तार किया है। गत 6 फरवरी को थाना क्षेत्र में हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के खलीलपुर निवासी प्रेमसुख को गिरफ्तार कर लिया। हादसे को अंजाम देने वाला टैंपो पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आरोपी को मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कोर्ट से घोषित किया पीओ भेजा जेल

रेवाड़ी। पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। एक मामले में कोर्ट ने यूपी के बिजनौर निवासी मुस्तफा को बीते दिनों पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश जारी हुए।

दहेज उत्पीड़न मामले में दो आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लगभग दो साल पहले विवाहिता कुसुम की ओर से दर्ज शिकायत में ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने करनाल के बिचपड़ा निवासी अरुण और कमलेश को गिरफ्तार किया है।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाकर हादसे को अंजाम देने के आरोपी चालक को गिरफ्तार किया है। हादसे में घायल व्यक्ति के बयान पर पुलिस ने गत 10 अप्रैल को चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोपी हादसे के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में पंजाब के बादशाहपुर निवासी पदम खान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पिकअप गाड़ी को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आज

रेवाड़ी। सामाजिक संस्था ह्यूमन हेल्प वेल्फेयर ट्रस्ट की ओर से 12 अप्रैल को नागरिक अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। संस्था के संरक्षक अध्यक्ष और हरियाणा रेडक्रास की सीएसआर कमेटी के सदस्य बलजीत सैनी ने बताया कि जिला रेडक्रॉस समिति के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने शहर के युवाओं से शिविर में शामिल होकर रक्तदान करने की अपील की है।

नशीला पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी पकड़ा

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सुभाष बस्ती में नशीला पदार्थ स्मैक बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सुभाष बस्ती निवासी मंगतू नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। वह पुराना बिजली घर के पास नशीले पदार्थ के साथ मौजूद है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर एक युवक ने तेज कदमों से चलते हुए भागने का प्रयास किया। पीछा करते हुए पुलिस ने उसे काबू कर लिया।

पूर्व सरपंच व ग्राम सचिव पर एजूकेशन सोसायटी को ग्राम पंचायत की भूमि लीज पर देने पर केस दर्ज

कोसली। कोसली पुलिस ने जिला उपायुक्त के आदेश व नाहड़ के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी की शिकायत पर ग्राम पंचायत कान्हड़वास के पूर्व सरपंच व संबंधित ग्राम सचिव के विरुद्ध सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की अवहेलना कर अपने स्तर पर ग्राम पंचायत की 16 कनाल 14 मरला भूमि ग्यारह वर्षों के लिए बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के रेवाड़ी की एक एजूकेशन सोसायटी को पट्टे पर देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। मामला ग्राम पंचायत कान्हड़वास के पूर्व सरपंच सुरेन्द्र सिंह की ओर से सरपंच पद पर रहते हुए दो फरवरी 2018 को ग्राम पंचायत कान्हड़वास की 16 कनाल 14 मरला भूमि को बगैर सरकार की अनुमति के ग्राम सचिव के साथ मिलकर अवैध रूप से रेवाड़ी की साई एजूकेशन सोसायटी को लीज पर देने का है। कोसली पुलिस ने जिला उपायुक्त के आदेश व जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा सहायक जिला न्यायवादी की राय प्राप्त करने के बाद शुक्रवार को आरोपी सरपंच व ग्राम सचिव के विरुद्ध हरियाणा ग्राम पंचायत शामलात भूमि अधिनियम, 1964 के नियम 6 के अनुसार धारा 409 व 34 आईपीसी के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

दुकान पर कब्जा करने व चोरी के आरोप में प्रवीन राव गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी व बरामद किया गया सामान, मौके पर सामान बरामद करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने एक केंद्रीय मंत्री के खास समर्थक रह चुके प्रवीन राव उर्फ बॉबी को दुकान पर कब्जा करने के प्रयास और लाखों रुपये का सामान चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस को दर्ज शिकायत में कृष्णा नगर निवासी अंजलि ने बताया कि ब्रह्मगढ़ के सामने सेक्टर-3 निवासी जोगेंद्र एक दुकान पर वर्ष 1986 से काबिज चला आ रहा है। जोगेंद्र ने तबियत खराब होने के कारण दुकान में रखा लगभग 9 लाख रुपये का स्पेयर पार्ट्स का सामान उसके पिता रोशनलाल को बेच दिया था। उसका पिता जोगेंद्र की दुकान पर बतौर मिस्त्री वर्ष 2017 से काम कर रहा था। दुकान का किराया जोगेंद्र वसूल रहा था। पिता की तबियत खराब होने के बाद दुकान बंद पड़ी थी। गत 17 मार्च को उसके पिता का निधन हो गया। 29 मार्च को उसे सूचना मिली कि जिस दुकान पर उसका पिता काम करता था, उसके सामने दीवार खड़ी कर दी गई है। जब वह परिवार सहित दुकान पर पहुंची तो मिस्त्री दीवार का निर्माण कर रहा था। उसने निर्माण रुकवाकर दुकान खोलकर देखी तो पीछे के हिस्से की दीवार टूटी हुई थी। दुकान में रखा सामान चोरी हो चुका था। उसने आरोप लगाया कि दुकान के पास ही प्रवीन राव उर्फ बॉबी का मकान है। बॉबी ने दुकान पर कब्जा करने की नीयत से दुकान का सामान चोरी किया है। उसने आरोप लगाया कि दीवार का निर्माण कार्य रुकवाने पर प्रवीन राव ने मौके पर आकर उसे जान से मारने की धमकी दी।

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया आरोपी

पुलिस के अनुसार शिकायत मिलने के बाद दोनों पक्षों को दुकान के दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया था। जोगेंद्र पक्ष की ओर से किरायानामा व एग्रीमेंट के दस्तावेज पेश किए गए, लेकिन प्रवीन राव ने कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। उसने पुलिस जांच में भी सहयोग नहीं किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी पर पहले भी दर्ज हैं मामले

प्रवीण राव उर्फ बॉबी एक केंद्रीय मंत्री का खास समर्थक रह चुका है। उसके खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। कुछ समय पहले एक महिला ने भी अभद्र व्यवहार करने का केस दर्ज कराया था। दिशा की बैठक में इसी मामले में बॉबी ने मंत्री से मिलने का प्रयास किया था, लेकिन उसकी मुलाकात नहीं हो सकी थी।

धारूहेडा में 80 लाख की से बनेगा बीईओ ऑफिस

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा में 80 लाख रुपये की लागत से खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बनाया जाएगा। दो मंजिला बनने वाले बीईओ ऑफिस का जल्द ही शिलान्यास किया जाएगा। नपा चेयरमैन कंवर सिंह ने कहा कि बीईओ ऑफिस शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, स्कूलों के निरीक्षण, सरकारी योजनाओं को लागू करने और छात्रों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करते हैं। यह ब्लॉक स्तर पर सभी स्कूलों की गतिविधियों और शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानी करता है। सरकार द्वारा चलाई जा रही शिक्षा योजनाओं को खंड स्तर पर लागू करने में मदद करता है। स्कूलों को अध्ययन सामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि बीईओ ऑफिस बनने से क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

कंवर सिंह

आस्था मान्यता है कि त्रेता और सतयुग का आरंभ भी इसी तिथि को हुआ था

अक्षय तृतीया का पावन पर्व 19 को, अबूझ मुहूर्त पर बड़ी संख्या में होंगे शादी समारोह

- संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी जाती है अक्षय तृतीया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह पर्व इस बार 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। मान्यता है कि त्रेता और सतयुग का आरंभ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहा जाता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस दिन स्नान, दान, जप, होम, स्वाध्याय व तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली एवं सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं।

दान करने से मिलता है पुण्य

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार इस माह में प्याऊ लगाना, छायादार वृक्ष की रक्षा करना, पशु-पक्षियों के खान-पान की व्यवस्था करना व राहगीरों को जल पिलाना जैसे सत्कर्म मनुष्य के जीवन को समृद्धि के पथ पर ले जाते हैं। स्कंद पुराण के अनुसार जल दान का सर्वाधिक महत्व बताया गया है। अनेक तीर्थ करने से जो फल प्राप्त होता है, वह केवल वैशाख मास में जलदान करने से प्राप्त हो जाता है।

स्त्रियां व्रत करके संतान सुख प्राप्त कर सकती हैं

ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि बिना पंचांग देखे भी इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से संबंधित कार्य किए जा सकते हैं। तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था। उस आशीर्वाद के प्रभाव से इस तिथि को किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। धार्मिक ग्रंथों में यह भी उल्लेख है कि माता पार्वती ने धर्मराज को इस तिथि का महत्व समझाते हुए कहा था कि कोई भी स्त्री, जो किसी भी तरह का सुख चाहती है, उसे यह व्रत करते हुए नमक का पूरी तरह से त्याग करना चाहिए। स्वयं में भी यही व्रत करके मैं भगवान शिव के साथ आनंदित रहती हूं। विवाह योग्य कन्याओं को भी उत्तम वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करना चाहिए, जिनको संतान नहीं हो रही हो वे स्त्रियां भी इस व्रत करके संतान सुख प्राप्त कर सकती हैं।

अक्षय तृतीया पर बड़ी संख्या में होंगे विवाह

ज्योतिषाचार्य शास्त्री का कहना है कि अक्षय तृतीया के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा की जाए तो सुख की प्राप्ति होती है। लक्ष्मीनारायण के साथ-साथ ही सुख-सौभाग्य-समृद्धि के लिए इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन भी किया जाता है। उनका कहना है कि इस दिन दान देने वाला प्राणी सूर्य लोक को जाता है और जो अक्षय तृतीया पर उपवास करता है, वह रिद्धि-वृद्धि और श्री से संपन्न हो जाता है। शहर के विभिन्न बैंकट हॉल व शादी आयोजन स्थल अक्षय तृतीया पर समारोह के लिए पहले से ही बुक हो चुके हैं। अक्षय तृतीया पर शहर में बड़ी संख्या में शादियां होंगी।

डेयरी संचालक पर जानलेवा हमला करने वाला दूसरा आरोपी किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी अमित उर्फ कुकु। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने एक युवक को अवैध देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचना गांव गुर्जर माजरी निवासी अमित उर्फ कुकु के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी गत 9 अप्रैल को गांव आसलवास निवासी एक डेयरी संचालक पर जानलेवा हमला करने की वारदात में भी मुख्य रूप से संलिप्त था। गत 10 अप्रैल को सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि अमित उर्फ कुकु निवासी गांव गुर्जर माजरी अवैध हथियार लेकर गांव भटसाना से निखरी रोड पर किसी के इंतजार में खडा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस की ओर से पूछताछ में आरोपी अमित उर्फ कुकु ने एक अन्य संगीन वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। आरोपी ने गत 9 अप्रैल को सुबह करीब 6 बजे बावल सेक्टर-3 स्थित एक गाय की डेयरी पर अपने साथी नीरज खटाना के साथ मिलकर डेयरी संचालक सतबीर निवासी आसलवास पर जान से मारने की नियत से दो सीधे फायर किए थे। डेयरी संचालक ने समय रहते नीचे झुककर अपनी जान बचाई थी, जिसके बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक आरोपी नीरज खटाना पहले ही काबू कर लिया था। सीआईए धारूहेड़ा इंचार्ज निरीक्षक योगेश हुड्डा ने बताया कि आरोपी अमित उर्फ कुकु को अब थाना कसोला में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में भी तफ्तीश के लिए शामिल तफ्तीश किया जाएगा। आरोपी से वारदात में उपयोग किए गए अवैध हथियार के स्रोत व इस अपराधिक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

■ मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

जरूरत व इच्छा में फर्क समझें

फाइनेंशियल मैनेजमेंट की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझना। जरूरतें वे होती हैं जो जीवन के लिए जरूरी हैं, जैसे किराया, राशन, बिजली-पानी के बिल, बच्चों की फीस और रोजमर्रा के खर्च। वहीं, इच्छाएं वे हैं जो जीवन को आरामदायक बनाती हैं जैसे बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या नए गैजेट्स खरीदना। यदि आप हर खर्च से पहले खुद से यह पूछना शुरू कर दें कि "क्या यह जरूरी है या सिर्फ इच्छा?", तो आपकी आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। यह आदत आपको फालतू खर्च से बचाएगी और बचत बढ़ाने में मदद करेगी।

खर्च लिखने की आदत डालें

अक्सर हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारा पैसा कहां खर्च हो रहा है। ऐसे में रोजाना के खर्च को लिखने की आदत बेहद फायदेमंद होती है। आप एक नोटबुक या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब आप हर खर्च को रिकॉर्ड करते हैं, तो आपको साफ दिखाई देने लगता है कि किन चीजों पर ज्यादा पैसा जा रहा है।

- जैसे बार-बार बाहर खाना, ऑनलाइन ऑर्डर या बिना सोचे-समझे खरीदारी। यह आदत धीरे-धीरे आपको अनुशासित बनाती है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

हर रुपये का एक उद्देश्य तय करें

- जब आपको अपनी आय और खर्च का सही अंदाजा हो जाए, तो अगला कदम है। हर रुपये को एक उद्देश्य देना।
- आप अपनी आय को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं।
- जरूरी खर्च
- लाइफस्टाइल (इच्छाएं)
- बचत
- जब हर रुपये का काम पहले से तय होता है, तो पैसा इधर-उधर बिखरता नहीं है। इससे आप अपने खर्च को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाते हैं और भविष्य की योजना बनाना आसान हो जाता है।

बचत को सबसे जरूरी खर्च मानें

- ज्यादातर लोग बचत को सबसे आखिरी में रखते हैं। जो बचेगा, उसे बचा लेंगे। यही सबसे बड़ी गलती है।
- सही तरीका यह है कि जैसे ही आपकी सैलरी आए, सबसे पहले एक तय राशि बचत के लिए अलग कर दें।
- भले ही शुरुआत छोटी हो, लेकिन नियमितता बहुत जरूरी है। हर महीने की यह छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़े फंड में बदल जाती है। यही फंड भविष्य में किसी इमरजेंसी में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनता है। बचत करने से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपको मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी मिलता है।

समय-समय पर खर्च की समीक्षा करें

- फाइनेंशियल प्लानिंग कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
- हर 2–3 महीने में अपने खर्चों की समीक्षा जरूर करें। देखें कि कहां ज्यादा खर्च हो रहा है, किन चीजों को कम किया जा सकता है और बचत बढ़ाने के क्या मौके हैं। बड़े बदलाव करने की बजाय छोटे-छोटे सुधार करें, जैसे बाहर खाने की आदत कम करना या अनावश्यक सब्सक्रिप्शन बंद करना। ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

समझदारी से खर्च, बेहतर भविष्य

पैसों को संभालना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ जागरूकता और अनुशासन की जरूरत होती है। जब आप अपनी जरूरतों को समझते हैं, इच्छाओं को नियंत्रित करते हैं और हर रुपये का सही इस्तेमाल करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। महीने के अंत में खाली जेब की चिंता तभी खत्म होती है, जब आप अपने पैसों पर नियंत्रण पा लेते हैं। याद रखें पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही तरीके से संभालना ही असली समझदारी है। यही छोटी-छोटी आदतें आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर जीवन में सुकून दिला सकती हैं।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

- एसआईपी और आरडी से आसान है इमरजेंसी फंड तैयार करना
- निवेश नहीं, इसका जरूरत के समय काम आना है मुख्य मकसद
- लिक्विड फंड ही दे सकता है सही समय पर बड़ी राहत

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

इमरजेंसी फंड न होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मुश्किल समय में लोगों को कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, करीब 70% नौकरीपेशा भारतीयों के पास कोई लिक्विड बैकअप नहीं होता। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो लोग क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं। यह कर्ज सस्ता नहीं होता। कई बार क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर 30% से 36% तक पहुंच जाती है। इसका असर यह होता है कि एक छोटी सी समस्या धीरे-धीरे बड़े कर्ज में बदल जाती है। नई नौकरी मिलने तक कर्ज बढ़ता जाता है और उसे चुकाने में कई साल लग जाते हैं।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

निवेश नहीं, सुरक्षा है प्राथमिक उद्देश्य

इमरजेंसी फंड को निवेश के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसका उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इसे ऐसे विकल्पों में रखना बेहतर होता है जहां लिक्विडिटी बनी रहे और पैसा तुरंत निकाला जा सके। कई लोग ज्यादा रिटर्न के चक्कर में इसे शेयर बाजार या लंबी अवधि के निवेश में डाल देते हैं, जो गलत रणनीति हो सकती है। इमरजेंसी में समय सबसे अहम होता है, और ऐसे में देरी या नुकसान दोनों ही परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 57% घटा सिल्वर से भी लगातार निकासी

कमोडिटी ईटीएफ में कमजोरी के बीच निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में कमोडिटी आधारित निवेश विकल्पों में सुस्ती देखने को मिली है। गोल्ड ईटीएफ में जहां निवेश 57% घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया, वहीं सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने भी निकासी दर्ज की गई। यह ट्रेंड बताता है कि निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद लंबी अवधि में सोना अब भी एक मजबूत निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में समझदारी से और चरणबद्ध निवेश की जरूरत है।

गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो घटा, दिलचस्पी बरकरार

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के 5,254 करोड़ के मुकाबले मार्च में गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया। यह 57% की बड़ी गिरावट है। हालांकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि इनफ्लो पूरी तरह रुका नहीं है, बल्कि इसकी गति धीमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, साल की शुरुआत में तेज निवेश के बाद अब बाजार सामान्य स्थिति में लौट रहा है, जिससे नए निवेश में थोड़ी कमी आई है।

सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने निकासी

सिल्वर ईटीएफ में निवेशकों का भरोसा फिलहाल कमजोर होता दिख रहा है। मार्च में 683 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 826 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब निवेशकों ने सिल्वर से पैसा निकाला है। इसका मुख्य कारण सिल्वर की अधिक अस्थिरता और हालिया गिरावट मानी जा रही है।
कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन रहा कमजोर
मार्च महीने में कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा। कुल 43 कमोडिटी ईटीएफ में से सभी ने नेगेटिव रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली

- यूटीआई सिल्वर ईटीएफः करीब 14.72% की गिरावट
- डीएसपी सिल्वर ईटीएफः 13.96% की गिरावट
- आदित्य बिड़ला एसएल सिल्वर ईटीएफः 13.85% की गिरावट
- जेरोधा सिल्वर ईटीएफः 13.81% की गिरावट
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफः 13.81% की गिरावट
- अन्य सिल्वर ईटीएफ में भी 11% से 13.80% तक की गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ भी दबाव में

गोल्ड ईटीएफ भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। मार्च में 25 गोल्ड ईटीएफ में 7.17% से 9.54% तक का नेगेटिव रिटर्न दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सोना, जिसे आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है, वह भी मौजूदा बाजार परिस्थितियों में दबाव में रहा। लंबी अवधि में सोना अभी भी मजबूत विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही शॉर्ट टर्म में सोने में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन मिड और लॉन्ग टर्म में इसकी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक हैं।

इसके पीछे प्रमुख कारण

- वैश्विक अनिश्चितता
- महंगाई का दबाव
- सुरक्षित निवेश की मांग
- ऐसे में निवेशक गिरावट के समय धीरे-धीरे निवेश (बाई ऑन डिप्स) की रणनीति अपना सकते हैं।

सिल्वर में निवेशः सतर्कता और रणनीति जरूरी

सिल्वर की प्रकृति सोने की तुलना में ज्यादा अस्थिर होती है। यही कारण है कि इसमें अचानक तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिलती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिल्वर में एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर है।

शॉर्ट टर्म में क्या रह सकता है ट्रेंड?

- रिपोर्ट्स के अनुसार, शॉर्ट टर्म में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं। इसके पीछे कारण हैंः
- अमेरिका में ब्याज दरों में स्थिरता
- मजबूत डॉलर
- ऊंची बॉन्ड यील्ड
- इन वजहों से सोने की कीमतों में करीब 5% तक का उतार-चढ़ाव संभव है।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

- गोल्ड में गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश करें
- सिल्वर में एकमुश्त निवेश से बचें
- एसआईपी या स्टैगर्ड तरीका अपनाएं
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, लॉन्ग टर्म पर फोकस रखें

फिलहाल दबाव बना

मार्च 2026 के आंकड़े बताते हैं कि कमोडिटी ईटीएफ, खासकर गोल्ड और सिल्वर में फिलहाल दबाव बना हुआ है। हालांकि, यह गिरावट स्थायी नहीं मानी जा रही। सोना अभी भी लंबी अवधि के लिए एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में सावधानी और सही रणनीति के साथ निवेश करना जरूरी है। निवेशकों के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से कदम उठाने का है। सही रणनीति और धैर्य के साथ किया गया निवेश भविष्य में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद, पैसिव फंड्स में भी तेजी

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़

- फ्लेक्सी कैप फंड्स में सबसे ज्यादा 10,054 करोड़ का इनफ्लो
- पैसिव फंड्स में भी दिखाई दी 122 प्रतिशत तक की उछाल

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में म्यूचुअल फंड निवेश के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% की तेज बढ़त के साथ 40,450 करोड़ तक पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत होते भरोसे का संकेत है। खासकर फ्लेक्सी कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखा गया। इसके विपरीत, डेट और हाइब्रिड फंड्स से बड़ी मात्रा में निकासी हुई, जो बाजार में बदलती रणनीति को दर्शाती है। वहीं, कम लागत और पारदर्शिता के चलते इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसे पैसिव फंड्स में निवेश में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। यह ट्रेंड साफ संकेत देता है कि निवेशक अब अधिक जागरूक होकर लॉन्ग टर्म ग्रोथ और बेहतर रिटर्न के लिए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निवेश के पैटर्न और भी स्पष्ट हो सकते हैं।

इक्विटी फंड्स में 56% की छलांग

मार्च महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 40,450 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया, जो फरवरी के 25,977 करोड़ रुपये के मुकाबले 56% अधिक है। सालाना आधार पर भी इसमें 61% की बढ़त देखने को मिली, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उछाल के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं जैसे बाजार में स्थिरता, लंबी अवधि के निवेश का बढ़ता ट्रेंड और एसआईपी के जरिए नियमित निवेश।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने मारी बाजी

इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में से फ्लेक्सी कैप फंड्स सबसे आगे रहे। मार्च में इनमें 10,054 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का इनफ्लो दर्ज हुआ है। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह है कि ये बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में लचीलापन रखते हैं, जिससे जोखिम और रिटर्न का बेहतर संतुलन मिलता है।

मिडकैप-स्मॉलकैप फंड्स में भी दम

- स्मॉलकैप फंड्स : 6,263 करोड़ रुपये का इनफ्लो
- मिडकैप फंड्स : 6,063 करोड़ का इनफ्लो रुपये
- इन दोनों कैटेगरी में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही। खासकर स्मॉलकैप फंड्स में 61% और मिडकैप में 51% की मासिक बढ़त दर्ज की गई, जो हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न रणनीति की ओर इशारा करती है।

वैल्यू और फोकस्ड फंड्स में तेज ग्रोथ

- मंथली आधार पर
- वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्सः 196% वृद्धि
- फोकस्ड फंड्सः 169% वृद्धि
- हालांकि कुल इनफ्लो के मामले में वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स सबसे नीचे रहे, जहां 2,155 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ईएलएसएस और डिविडेंड फंड्स से निकासी

- मार्च में कुछ इक्विटी कैटेगरी में निवेशकों ने मुनाफावसूली भी कीः
- ईएलएसएस फंड्सः 437 करोड़ का आउटफ्लो
- डिविडेंड फंड्सः 59.21 करोड़ का आउटफ्लो
- संकेत देता है कि निवेशक टैक्स सेविंग या डिविडेंड आधारित रणनीतियों से हटकर ग्रोथ-ओरिएंटेड फंड्स की ओर बढ़ रहे।

डेट फंड्स से भारी निकासी

- 2.94 लाख करोड़ का आउटफ्लो, लिक्विड फंड्स सबसे ज्यादा प्रभावित
- मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स से कुल 2.94 लाख करोड़ की निकासी हुई, जो फरवरी के 42,106 करोड़ के रइनफ्लो उलट है।

सबसे ज्यादा निकासी इन कैटेगरी में

- लिक्विड फंड्सः 1.34 लाख करोड़ रुपये
- ओवरनाइट फंड्सः 40,227 करोड़ रुपये
- मनी मार्केट फंड्सः 29,206 करोड़ रुपये
- यह ट्रेंड अक्सर मार्च में देखा जाता है।

हाइब्रिड फंड्स में भी गिरावट

- मार्च में हाइब्रिड फंड्स से 16,538 करोड़ का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 11,983 करोड़ रुपये का इनफ्लो था।

इन कैटेगरी में आया पैसा?

- मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स : 5,212 करोड़ रुपये
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्सः हल्का पॉजिटिव इनफ्लो

सबसे ज्यादा निकासी

- आर्बिट्राज फंड्स : 21,113 करोड़ रुपये
- इक्विटी सेविंग्स फंड्सः 1,131 करोड़ रुपये
- यह दर्शाता है कि निवेशक कम-रिटर्न वाले या जटिल प्रोडक्ट्स से दूरी बना रहे।

खबर संक्षेप

रुचि का रक्षा मंत्रालय में एएसओ पद पर चयन

नांगल चौधरी। सिरोही बहाली की बेटी रूची कुमारी पुत्री रमेश कुमार ने सीजीएल परीक्षा को क्वालिफाई किया। एसएससी की मेरिट रिपोर्ट के आधार पर चयनित छात्रा को रक्षा मंत्रालय में एएसओ पद पर नियुक्ति दी गई है। ग्रामीणों ने मेधावी छात्रा के सम्मान में समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। चयनित एएसओ रूची कुमारी के चाचा मनरूप मास्टर ने बताया कि पढ़ाई में शुरू से ही अव्वल रही है। बीते साल अगस्त महीने में सीजीएल की प्री परीक्षा दी थी, जिसमें उत्तीर्ण होने के बाद एसएससी ने मैन परीक्षा के लिए कॉल किया। बीते साल आयोजित हुई परीक्षा का परिणाम एसएससी ने घोषित कर दिया। जिसमें रूची कुमारी को मिली टॉप रैंक के आधार पर रक्षा मंत्रालय में एएसओ का दायित्व दिया गया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहन घायल

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर सीएल फॉर्म के पास रॉन्ग साइड से आई एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पुलिस ने कार ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बजाड़ के एक युवक ने बताया कि वह बीती शाम साढ़े सात बजे बहन को बाइक पर लेकर खालड़ा हनुमान मंदिर से अपने गांव जा रहा था। जब वह सीएल फॉर्म के पास पहुंचा तो सामने से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

बारिश होने पर वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते गड्ढे

अलवर-खेतड़ी राजमार्ग गड्ढों में तब्दील एक साल में तीन बाइक सवारों की मौत

डंपरों के प्रेशर हॉर्न से ग्रामीणों को मानसिक व शारीरिक समस्या उत्पन्न होने का बना खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। नायन बस स्टैंड के पास क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग। फोटो : हरिभूमि

अलवर-खेतड़ी राजमार्ग की बदहाल स्थिति ने वाहन चालकों व दैनिक यात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी यह सड़क खासकर बाइक सवारों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। बीते एक वर्ष में इस मार्ग पर तीन लोगों की मौत हो चुकी है, साथ ही चार वाहन पलट चुके हैं। जिनमें जानलेवा हादसा नहीं हुआ, लेकिन वाहनों को भारी नुकसान हुआ है। चिंतित ग्रामीण जिला प्रशासन से सड़क रिपेयर की गुहार लगा चुके हैं। इसके बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है।

पूर्व जिला पार्षद छत्रपाल रावत, बिक्रम सिंह, अशोक कुमार, महेश चौधरी, रामरतन ने बताया कि यह सड़क दिल्ली और फरीदाबाद तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण शॉर्टकट मार्ग है, जिस कारण यहां भारी वाहनों, विशेषकर ओवरलोड डंपरों का आवागमन लगातार बढ़ गया है। स्थिति यह है कि रात के समय 15 से 20 डंपर कतारबद्ध होकर चलते हैं, जिससे छोटे वाहन चालकों के लिए रास्ता बेहद खतरनाक बन जाता है। अंधेरे व खराब सड़क के कारण दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। अलवर से खेतड़ी तक इस राजमार्ग का चौड़ीकरण करीब पांच साल पहले किया गया था। इसके बाद दो बार इसकी मरम्मत भी कराई जा चुकी है, लेकिन भारी और ओवरलोड वाहनों के दबाव के कारण सड़क कुछ ही महीनों में फिर से खराब हो जाती है। ऐसे में सड़क की गुणवत्ता और निर्माण कार्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस गंभीर समस्या से कई बार संबंधित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया है, लेकिन अब तक न तो सड़क की मरम्मत का कोई ठोस कार्य शुरू हुआ है और न ही ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई की गई है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी साफ देखी जा रही है।

टाइलें बिछाकर की रिपेयर, एक रात में टूटी

ग्रामीणों ने बताया कि नायन बस स्टैंड के पास गड्ढों की समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया था। दबाव बढ़ने पर विभाग ने इंटरलॉक टाइलें बिछाकर गड्ढों की रिपेयर करवा दी थी, लेकिन ओवरलोड डंपरों का दबाव पड़ने से टाइलें एक रात में ही बिखर गई। ग्रामीणों ने उच्च क्षमता वाली सड़क निर्माण कराने ट ओवरलोड वाहनों पर अंकुश लगाने की गुहार लगाई है।

घरों का पानी सड़क पर छोड़ने से बनी जर्जर स्थिति

पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि नायन के पास इंटरलॉक टाइलें बिछाकर टूटी सड़क की रिपेयर कर दी थी, लेकिन अब घरों का पानी आने से दूसरी जगह से सड़क टूटनी आरंभ हो गई है। यह सड़क मार्ग अभी वारंटी पीरियड में है, तो ठेकेदार को पेचवर्क के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। बारिश रूकते ही सर्वे करवाकर रिपेयर करवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़क पर पानी छोड़ने वाले व्यक्ति को नोटिस दे दिया है, जल्द ही अमल नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई करेंगे।

जर्जर हवेली तोड़ने का कार्य शुरू, वार्डवासियों ने ली राहत

कनीना। वार्ड चार में स्थित जर्जर हवेली। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

वार्ड चार में स्थित पुरानी एवं जर्जर हवेली को तोड़ने का कार्य नपा की ओर से शुरू किए जाने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। इस पुरानी इमारत को आखिरकार प्रशासन की ओर से ध्वस्त कर दिया गया। नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा ने बताया कि यह इमारत लंबे समय से लोगों के लिए खतरे का कारण बनी हुई थी। वर्षों से उपेक्षित इस भवन की दीवारें कमजोर हो चुकी थी और कई बार इसके हिस्से गिरने की घटनाएं भी सामने आई थी, जिससे आसपास रहने वाले लोग हमेशा भय के साए में जी रहे थे। स्थानीय नागरिकों के अनुसार इमारत के गिरने का खतरा विशेष रूप से बारिश के मौसम में और बढ़ जाता था। कई बार प्रशासन को इसकी शिकायत भी दी गई थी, लेकिन कार्रवाई में देरी होने के कारण लोगों में नाराजगी भी थी। हालांकि अब जब इस इमारत तोड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसे क्षेत्र के निवासियों ने इसे एक बड़ी राहत के रूप में देखा है। नगरवासियों का कहना है कि इस कदम से न केवल संभावित दुर्घटनाओं का खतरा टल गया है, बल्कि इलाके की साफ सफाई और सुंदरता में भी सुधार होगा। नपा सचिव कपिल कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने आसपास किसी भी खतरनाक या क्षतिग्रस्त भवन की सूचना समय पर दें, जिससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

कोसली क्षेत्र के गांव से विवाहिता लापता

कोसली। क्षेत्र के एक गांव से विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। विवाहिता के पति ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वीरवार को वह अपने काम पर गया हुआ था। परिजनों ने फोन पर बताया कि उनकी पत्नी घर से चली गई है। परिजनों ने सभी जगह उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। दो दिन प्रतीक्षा के बाद उन्होंने कोसली थाने में शिकायत दी। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

राज इंटरनेशनल स्कूल में पैरेंट्स इंडक्शन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राज इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा सातवीं और आठवीं के नए विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के चेयरमैन राजेन्द्र सैनी ने किया। मंच संचालन शिक्षिका सोनिया सलूजा ने किया। पीआरओ राजेश शर्मा ने अभिभावकों का स्वागत किया। इस मौके पर नए विद्यार्थियों ने कविता, श्लोक, भाषण, संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। स्कूली बच्चों ने साइंस एक्जीबिशन, मोरल वैल्यू एंड डाइट, एआई व श्रीमद्भगवद्गीता का प्रदर्शन किया। स्कूल निदेशक नवीन सैनी ने कहा कि स्कूल पिछले 15 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान देता रहा है।

अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने दो दिन और बढ़ाई हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते अग्निशमन कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका हरियाणा शाखा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की हड़ताल चौथे दिन शनिवार को भी जारी रही। हड़ताल आगामी दो दिन के लिए बढ़ा दी गई है। हड़ताल की अध्यक्षता अग्निशमन यूनियन के प्रधान नरेंद्र सिंह ने की,जबकि मंच संचालन सुरेश ने किया। इस मौके पर नप कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान ईश्वर सिंह बोडवाल और नरेश कुमार यादव जिला प्रधान मैकेनिकल यूनियन, रितिश कुमार बागड़ी जिला सचिव और नौरंग लाल पर्यटन विभाग ने कहा कि मौजूदा हुकूमत निश्चित तौर पर कर्मचारी विरोधी कानून बना रही है, आए दिन सरकारी विभागों का निजीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग के दो कर्मचारी अपने फर्ज को अंजाम देते हुए आग की चपेट में आकर दुनिया से चले गए। सरकार और विभाग अध्यक्ष को इस बात की जानकारी यूनियन के माध्यम से दी गई, लेकिन किसी ने सहानुभूति के दो बोल तक नहीं कहे। उन्होंने सरकार से इन कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने और उनके आश्रितों को समुचित मुआवजा देने की मांग की। यूनियन ने हड़ताल को 12 और 13 अप्रैल को भी जारी रखने का निर्णय लिया है।

पीएनजी के उपभोक्ता एलपीजी गैस सिलेंडरों का न करें उपयोग: अभिषेक मीणा

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारत सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार जिन क्षेत्रों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां घरेलू एलपीजी कनेक्शनों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है। डीसी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जिन उपभोक्ताओं के पास पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वे तत्काल प्रभाव से अपने घरेलू एलपीजी कनेक्शनों का उपयोग बंद कर दें। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ताओं को 3 महीने में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी। पीएनजी सुविधा वाले उपभोक्ताओं को किसी भी परिस्थिति में एलपीजी रिफिल रखने या प्राप्त करने की अनुमति नहीं होगी। डीसी ने बताया कि सभी एलपीजी एजेंसियों को भी निर्देश दिए गए है कि वे ऐसे उपभोक्ताओं की तुरंत पहचान करते हुए तत्काल आपूर्ति को विनियमित करें और 3 महीने के बाद आपूर्ति पूरी तरह से बंद करें। उन्होंने बताया कि सभी तेल विपणन कंपनियां ओएमसीएस और एलपीजी एजेंसियां इन निर्देशों की सख्ती से पालना करते हुए कार्यान्वयन और निगरानी को सुनिश्चित करेंगी। डीसी ने कहा कि निर्देशों की अवहेलना करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और एलपीजी आपूर्ति और वितरण का विनियमन आदेश, 2000 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नॉन बोर्ड कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य मनोज कुमार की अध्यक्षता में नॉन बोर्ड कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा को जागृत करना है। एसएमसी उपाध्यक्ष मीनू कुमारी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री प्रदान की। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। कैप्टन फकीर चंद ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास करते रहने तथा अपने लक्ष्य को ऊंचा रखने का संदेश दिया। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना भी है। इस अवसर पर प्रवक्ता सोमबीर यादव, सत्ते सिंह, नेहा शर्मा, मीनाक्षी चुग, अनीता रोहिल्ला, पुनीता सैनी, अध्यापक मुकेश कुमार, नरेंद्र सिंह, मंजू लता, हरिता शर्मा, पूनम देवी, प्रिया देवी व राजेश कुमार सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

रेवाड़ी। स्कूल रेडीनेस मेले में मौजूद अभिभावक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

रेडीनेस मेले में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से ब्लॉक जाटूसाना के गांव मसीत स्थित आंगनबाड़ी प्ले स्कूल में स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों को विद्यालयी वातावरण के लिए तैयार करना, उनमें सीखने की रुचि विकसित करना तथा अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। मेले में बच्चों के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से उन्हें खेल-खेल में सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में बच्चों की बौद्धिक, मानसिक और सामाजिक क्षमताओं को विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर शिवा ने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। प्ले स्कूल वर्कर दुर्गा देवी ने बच्चों की गतिविधियों का संचालन किया, जबकि अन्य वर्कर मंजू ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में गवर्नमेंट स्कूल से सम्मानित अध्यापक अनिल, विजय, उदयराम, सुनील, नीतू और सीमा उपस्थित थी। इस मौके पर डिविजनल कॉर्डिनेटर योगेश ने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में बच्चों को सही दिशा और सकारात्मक वातावरण मिलना बेहद आवश्यक है, जिससे उनका भविष्य मजबूत बनता है। स्कूल रेडीनेस मेले में अभिभावकों ने भी भाग लिया।

धर्म सेक्टर-4 स्थित केशव पार्क में चल रही श्रीमद्भागवत कथा

भगवान श्री कृष्ण ने अपनी अद्भुत लीलाओं से दुनिया को दी नई सीख : जितेंद्र दीक्षित

रेवाड़ी। केशव पार्क मे कथा का वाचन करते कथा व्यास तथा श्रीमद् भागवत कथा में मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सेक्टर-4 स्थित केशव पार्क में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास पंडित जितेंद्र दीक्षित ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी अद्भुत लीलाओं से दुनिया को नई सीख दी। उन्होंने कहा कि युद्ध नहीं हो, इसके लिए उन्होंने कौरवों को अंतिम समय तक समझाया। आज भी विश्व को शांति और खुद पर संयम रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संसार हमेशा लोभ, मद अहंकार के वशीभूत होकर धर्म मार्ग से विमुख हो जाता है,लेकिन प्रभु सुमिरन व्यक्ति को भव सागर पार कराने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि कथा एक सप्ताह तक लगातार शाम 4 से 7 बजे तक चलेगी।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने आमजन की रक्षा के लिए अपने कर्म का निर्वाह किया और वन की लताएं भी प्रभु का रूप देखते मोहित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सर्व जनकल्याण की भावना के दृष्टिगत आयोजित कथा में प्रभु स्मरण और जीव सेवा का संदेश दिया। कथा के दौरान राधा कृष्ण की मनमोहक झांकियां भी पेश की गई।

श्री बालाजी मंदिर में भंडारा व रागनी प्रतियोगिता आज

रेवाड़ी। इच्छा पूर्ण श्री बालाजी मंदिर मुरादपुरी बाम्बड में 12 अप्रैल को भंडारे और रागनी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के महंत डा. हितेश शास्त्री ने बताया कि मंदिर का वार्षिक महोत्सव हर वर्ष इसी माह में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। आयोजन में प्रति वर्ष आसपास के करीब 21 गांवों के लोग भाग लेते हैं और अपनी आस्था प्रकट करते हैं। उन्होंने बताया कि भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी, वहीं रागनी प्रतियोगिता में क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

रेवाड़ी। प्रदर्शनी में शिक्षक स्टाफ को जानकारी देते हुए विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

आईजीयू में विद्यार्थियों के लिए फैक्ट्री ऑन व्हील्स प्रदर्शनी लगाई

मीरपुर। इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान विद्यार्थियों के लिए फैक्ट्री ऑन व्हील्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आयशर ईवी की ओर से यूआईईटी भवन के सामने आयोजित मोबाइल प्रदर्शनी अत्याधुनिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक का एक उत्कृष्ट उदाहरण रही। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्किल एन्हांसमेंट एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट की निदेशक प्रो. रितु बजाज ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधुनिक औद्योगिक संचालन और उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं से रूबरू कराना था। इस मौके पर विशेषज्ञ डा. हमेंद्र अग्रवाल और उनकी टीम के साथी हनुमान राम ने छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को वाहन निर्माण की बारीकियों और भविष्य की तकनीक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मोबाइल यूनिट एक चलते-फिरते कारखाने की तरह है, जो आधुनिक ऑटोमोबाइल सेक्टर में हो रहे बदलावों को प्रदर्शित करती है। प्रो. रितु बजाज ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियां विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावसायिक अनुभव के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इससे उन्हें इंडस्ट्री की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने में मदद मिलती है। प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने टीम को सम्मानित भी किया। प्रो. बजाज ने पूरी टीम और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

वेयरहाउस ने रेवाड़ी मंडी में 5390 और कोसली मंडी में 9859 क्विंटल गेहूं खरीदा

गेहूं की आवक में तेजी, सरसों के लगे अंबार बायोमेट्रिक प्रणाली को लेकर किया प्रदर्शन

रेवाड़ी। अनाजमंडी के गेट पर गेटपास कटवाते किसान, अनाजमंडी में लगी सरसों व गेहूं की ढेरियां तथा बायोमैट्रिक प्रणाली का विरोध करते किसान संयुक्त मोर्चा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

- सरसों आढ़तियों की ओर से 6000 से 6800 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से प्राइवेट खरीदी जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

पिछले चार दिन से मौसम ने किसानों का साथ देना शुरू कर दिया है। मौसम साफ रहने से कोसली के साथ रेवाड़ी अनाजमंडी में गेहूं की आवक में तेजी आ गई है। कोसली अनाजमंडी में जहां सरसों की आवक काफी कम है वही रेवाड़ी अनाजमंडी में सरसों की बंपर आवक हो रही है। वहीं किसान यूनियनों ने बायोमेट्रिक प्रणाली के विरोध में प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। रेवाड़ी अनाजमंडी में पिछले चार दिनों में 15 हजार क्विंटल के करीब गेहूं की आवक हो चुकी है, जिसमें हैफेड व वेयरहाउस की ओर से अब तक 7990 क्विंटल गेहूं की 2585 रुपये एमएसपी पर सरकारी खरीद की जा चुकी है। शनिवार को वेयरहाउस की ओर से 141 किसानों से 5390 क्विंटल गेहूं खरीदा गया। वहीं अनाजमंडी में फरवरी माह से अब तक 1.80 लाख क्विंटल के करीब सरसों की आवक हो चुकी है। सरसों आढ़तियों की ओर से 6000 से 6800 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से प्राइवेट खरीदी जा रही है। इस बार खरीद एजेंसी को 6200 रुपये एमएसपी पर सरसों मिलने की उम्मीद कम नजर आ रही है।

कोसली मंडी से गेहूं के उठान में आई तेजी

कोसली अनाज मंडी में शनिवार को भी गेहूं की भारी आवक रही, लेकिन एजेंसी की ओर से खरीद प्रक्रिया धीमी चल रही है, जबकि खरीदे गए गेहूं के उठान में तेजी आई है। कोसली में शनिवार को सर्वर डाउन रहने की दिक्कत रही, जिससे किसानों को गेटपास कटवाने के लिए इंतजार करना पड़ा। शाम तक सर्वर डाउन ही चल रहा था। शनिवार को मंडी में वेयरहाउस की ओर से 9859 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई। कोसली मंडी में अब तक 116306 क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद हो चुकी है।

सरकार सुधार के नाम पर किसानों की आजादी छीन रही

शनिवार को रेवाड़ी अनाज मंडी में संयुक्त किसान मोर्चा के घटक संगठन जय किसान आंदोलन,ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन व भारतीय किसान यूनियन ने बायोमेट्रिक प्रणाली को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा के नेता अभयसिंह फिदेडी ने किया। इस अवसर पर किसान संयुक्त मोर्चा के हरियाणा के नेता कामरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार सुधार के नाम पर किसानों की आजादी छीन रही है। मंडियों में लागू की गई बायोमेट्रिक प्रणाली के तहत किसानों को अपनी पहचान साबित करने के लिए मशीन पर अंगूठा लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। किसान बिना बायोमेट्रिक सत्यपना के अपनी फसल नहीं बेच सकता है। सरकार की यह व्यवस्था विशेष रूप से बुजुर्ग किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है, क्योंकि कई बार उनके अंगूठे मशीनों में मैच नहीं होते या तकनीकी खराबी के कारण घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा सरकार ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फसल की मात्रा पर पाबंदी और बटाईदार किसानों को बाहर रखने जैसे नियम भी लागू कर दिए हैं, जिससे छोटे और गरीब किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने बायोमेट्रिक प्रणाली और वाहनों के नंबरों की अनिवार्यता को तुरंत समाप्त करने की मांग की है। इस अवसर पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर सगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार निमोठ, जय-किसान आन्दोलन के जिला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह बालियर खुर्द, अमरसिंह राजपुरा, राकेश कुमार सुनारिया, राजकुमार लाधुवास, गजराज सिंह, धर्मपाल आलियावास, खेमचंद, कामरेड शेर सिंह मीरपुर, अनिल कुमार, बीरेंद्र सिंह, रामनिवास डहीना, प्रकाश अहरोद, बाबूलाल कालाका, रोशनलाल भगवानपुर, मनोज कुमार रामगढ़, सहीराम ढाकिया, मोहरसिंह बुडानी, इन्द्रजीत फदनी व राजकुमार रामगढ़ सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पटवारी बनने पर डीसी ने निकिता यादव को किया सम्मानित

धारूहेड़ा। गांव आकेड़ा निवासी निकिता यादव ने पटवार प्रशिक्षण परीक्षा में 478.5 अंक लेकर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया, वही प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर डीसी अभिषेक मीणा ने निकिता यादव को सम्मानित करते हुए कहा कि वर्तमान में लड़कियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। इस अवसर पर डीआरओ प्रदीप देशवाल भी मौजूद थे। सेवानिवृत्त डीआईपीआरओ जेपी यादव ने नव चयनित पटवारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहला अवसर है, जब प्रदेश में पहली बार एक साथ 2605 नए पटवारियों की भर्ती की गई है। उन्होंने सभी पटवारियों से ईमानदारी और पारदर्शिता के पथ पर चलते हुए आम लोगों की समस्याओं का तत्परता से समाधान करने का आह्वान किया।

नीमा शाखा के चिकित्सकों ने की आशियाना वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के स्वास्थ्य की जांच

रेवाड़ी। नीमा हरियाणा रेवाड़ी एनसीआर शाखा की ओर से बाबा फरीद ट्रस्ट की ओर से संचालित आशियाना वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों ने वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच की तथा उन्हें आवश्यक दवाइयां और स्वास्थ्य परामर्श भी दिया गया। संस्था के महासचिव डा. दिनेश वर्मा ने कहा कि शिविर का उद्देश्य बुजुर्गों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और समय पर उचित इलाज उपलब्ध कराना है। शिविर में 20 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई। नीमा की वूमेन फॉर्म की प्रधान डा. अपर्णा वधवा ने सभी बुजुर्गों को मौसम अनुसार खानपान रखने और सावधानी बरतने की सलाह दी। कैंप में प्रधान डा. के के तनेजा, डा. के सी बतरा, डा. आशीष वधवा, डा. ममता वशिष्ठ, डा. किरण शमा और डा. राहुल बतरा ने अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर आदर्श अरोड़ा, सीए जतिन सैनी, लोकेश सहगल व सोनिया पोपली उपस्थित थे।

दुकानदारों ने कृषि मंत्री से की दुकानों के मालिकाना हक देने की मांग

रेवाड़ी। रेवाड़ी के दुकानदारों ने चंडीगढ़ में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मुलाकात की। दुकानदारों ने कृषि मंत्री से मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के तहत अपनी दुकानों के मालिकाना हक देने की मांग की। कृषि मंत्री राणा ने दुकानदारों को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के तहत दुकानदारों को जल्द से जल्द मालिकाना हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसको लेकर मंत्री ने अधिकारियों को भी निर्देश दिए। भाजपा खोरी मंडल कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने मंत्री से सेक्शन-18 की पेंडिंग प्रक्रिया को तुरंत पूरा करने और दुकानदारों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की मांग की। इस मौके पर सब्जी मंडी प्रधान रघुबीर यादव, कोषाध्यक्ष परवीन अग्रवाल, सचिव दीपक यादव, उप प्रधान संजय कुमार और किरोड़ी लाल मौजू थे।

सर्विस रोड की समस्या के समाधान को लेकर विधायक के नाम सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। हंस नगर विकास एवं नागरिक कल्याण समिति की ओर से शनिवार को विधायक लक्ष्मण सिंह के नाम कार्यालय सहायक आशीष कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर समिति सदस्यों ने कहा कि भाड़ावास रोड रेलवे पुल की सर्वि लेन को 18 फीट चौड़ा बनाया जाना है। मुख्यमंत्री की ओर से स्वीकृति होने पर अनुमानित राशि 13,80,71,231 भी विभाग को प्राप्त हो चुकी है, लेकिन ज्ञात हुआ है कि यह सर्विस रोड दोनो तरफ 1058.82 प्रति वर्ग गज बनाया जाएगा। अनुमानित स्वीकृत राशि पर संबंधित मकान मालिकों द्वारा आपत्ती उठाए जाने के बाद इसकी लगभग पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति भी मिल चुकी है और कार्य शीघ्र शुरू होने वाला है, लेकिन सर्विस रोड चौड़ा होने से केवल न्यू आदर्श नगर वासियों को ही सुविधा मिलेगी। मौहल्ला हंस नगर निवासी इस सुविधा से वंचित रहेंगे। इस मौके पर आर डी शर्मा, राजेश कुमार यादव, प्रीतम सिंह, पं सुरेन्द्र कुमार व सत्यनरायण गुप्ता उपस्थित थे।

आईजीयू में रामायण पर बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन, गरिमा ने पाया पहला स्थान

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम यानि यूसीआईकेएस की ओर से रामायण पर विश्वविद्यालय स्तरीय बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन किया गया। यूसीआईकेएस के निदेशक डा. विपिन कुमार ने बताया इस परीक्षा में विश्वविद्यालय के सभी विभागों से 75 प्रतिभागी शामिल हुए। परीक्षा में गरिमा शर्मा गणित विभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, हिंदी विभाग से साक्षी एवं भूगोल विभाग से सोनम कुमारी ने द्वितीय, जबकि विनीता यादव मैनेजमेंट विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डा. विपिन कुमार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी एवं कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह का आभार व्यक्त किया।

नशा बेचने वालों की असली जगह जेलः एसपी

- नशा मुक्त टीम ने गांव नैचाना व कालड़ावास में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा शिक्षा व खेलों से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अभियान के तहत लोगों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस ने युवाओं व आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए और खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत पुलिस की नशा मुक्त टीम लोगों को निरंतर नशे के विरुद्ध जागरूक कर रही है। पुलिस टीम नशा करने वालों की जानकारी एकत्रित करके तथा उनकी काउंसलिंग कराकर नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रही है। अभियान के तहत पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को गांव नैचाना व कालड़ावास में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा शिक्षा व खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। नशा मुक्त टीम ने लोगों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई।

युवाओं को नशे से बचाना होगा

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। पुलिस के अभियान से प्रेरित होकर जहां युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, वहीं पर अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की है। नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है।

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को यूथ रेडक्रास एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिभा चौधरी के संयोजन में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. लाज कौशल ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में हिमानी, मोनिका, प्रिया और करीना तथा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में महक, निधि, कशिश और रुपाली विजेता रही। निर्णायक मंडल की भूमिका रेनू यादव, अंजलि यादव एवं डा.मोनिया ने निभाई। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश, मंजीत सिंह, नागेश कुमार, संजीव कुमार, त्रिदेव, डा. संध्या, जसवंत जाखड़ व हंसराज सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का ड्रॉ 13 को राज इंटरनेशनल स्कूल में

- प्रत्येक फ्लैट की अधिकतम कीमत 1.50 लाख रुपये तय की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की ओर से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षित फ्लैटों के आवंटन के लिए 13 अप्रैल को ड्रॉ निकाला जाएगा। यह प्रक्रिया 13 अप्रैल को दोपहर 1 बजे राज इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न होगी। एडीसी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक फ्लैट की अधिकतम कीमत 1.50 लाख रुपये तय की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत रेवाड़ी के विधवा एवं अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र आवेदकों से दस हजार रुपए की राशि जमा कराई गई थी। सत्यापन के बाद पात्र पाए गए आवेदकों के बीच ड्रॉ निकाला जाएगा। एडीसी मोदी ने कहा कि ड्रॉ की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी।

स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी की स्मृति में कवि सम्मेलन 1 मई को

रेवाड़ी। शहर के गढ़ी बोलनी रोड़ स्थित सोमाणी कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी की जयंती पर एक मई को कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कॉलेज के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में अनेक वक्ता स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी के जीवन दर्शन, राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में भूमिका पर अपने विचार रखेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मौसम | अभी रात के तापमान में कुछ दिनों तक ज्यादा वृद्धि होने की संभावना नहीं

मौसम साफ होने के बाद चढ़ने लगा पारा अगले सप्ताह पसीने छुड़ाने लगेगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

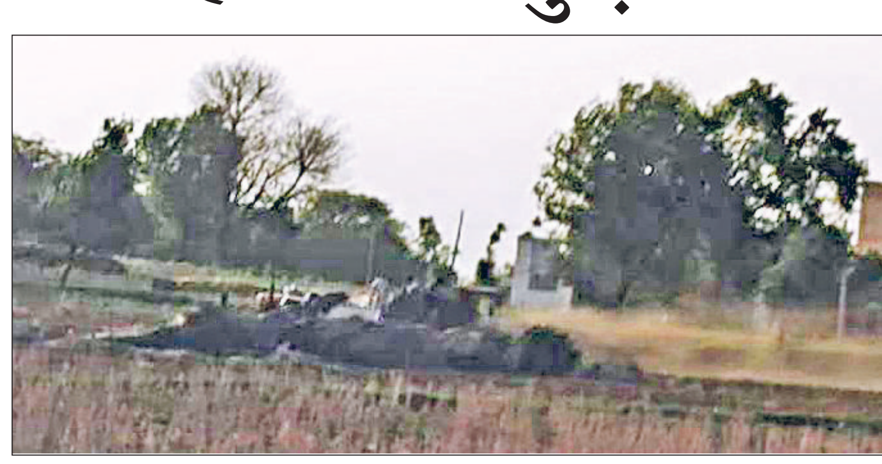

रेवाड़ी। शाम के समय गेहूं की फसल निकालते किसान। फोटो : हरिभूमि

मौसम साफ होने के साथ ही पारा चढ़ना शुरू हो गया है। लगभग दो सप्ताह बाद दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है। पंखे और एसी एक बार फिर से चलने शुरू हो गए हैं। तीन-चार दिन तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इसके बाद एक बार फिर से मौसम में बदलाव आ सकता है। बारिश की अभी कोई संभावना नहीं है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। दोपहर के समय आंशिक बादल छाए, जो कुछ समय बाद ही साफ हो गए। तेज धूप खिलने के कारण दिन का तापमान 4.1 डिग्री की वृद्धि के साथ 36.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। गत 27 मार्च के बाद पहली बार तापमान इस स्तर पर आया है, जिससे दिन के समय गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया हे। रात का तापमान भी 0.4 डिग्री की वृद्धि के साथ 16.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गत वर्ष के मुकाबले रात का तापमान लगभग 8.0 डिग्री सेल्सियस कम बना हुआ है, जिससे सुबह के समय मौसम अभी ठंडा बना रहता है। हवा में नमी का स्तर 40 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अभी रात के तापमान में कुछ दिनों तक ज्यादा वृद्धि होने की संभावना नहीं है, जिससे रात को और सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहेगा। तीन-चार दिन तक मौसम साफ बना रह सकता है। अगले सप्ताह के अंत में मौसम में एक बार फिर से बदलाव देखने को मिलेगा। आसमान में आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। बारिश की अभी कोई संभावना नहीं है।

बिजली की खपत में होने लगी वृद्धि

मौसम गर्म होते ही पंखे और एसी एक बार फिर से चलने शुरू हो गए हैं। कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत होने के बावजूद घरेलू बिजली की खपत बढ़ने से लोड बढ़ना शुरू हो गया है। गत 10 अप्रैल को कई दिनों के बाद बिजली की खपत 63.48 लाख यूनिट दर्ज की गई। बारिश के बाद बिजली की डिमांड काफी कम हो गई थी। आने वाले सप्ताह में बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है।

फसल कढ़ाई कार्य ने पकड़ी रफ्तार

आसमान साफ होने के बाद किसानों ने फसल निकालने का कार्य तेज कर दिया है। गेहूं की कटाई के बाद सरसों निकालने का इंतजार कर रहे किसानों ने इस कार्य को तेजी से शुरू कर दिया है, जिससे मंडियों में सरसों की आवक बढ़ने लगी है। अभी लगभग आधी सरसों निकालना शेष रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। किसानों ने गेहूं की फसल भी निकालना शुरू कर दिया है।

डा.अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ने वाले दोषियों पर कार्रवाई की मांग

रेवाड़ी। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह ने गत दिवस शरारती तत्वों की ओर से कलानौर के खेतड़ी गांव में डा.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ने की घटना का विरोध किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और प्रतिमा को यथावत स्थापित करने की मांग की। उन्होंने एनआईटी कुरुक्षेत्र में नूंह जिले के एक होनहार बी-टेक विद्यार्थी की मौत पर भी दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा एक ही सप्ताह में आत्महत्या की यह दूसरी घटना है। सरकार व कॉलेज प्रशासन इस पर तुरंत संज्ञान ले और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की रोकथाम के लिए कारगर कदम उठाऐ। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने करनाल जिले के 17 वर्षीय युवा की युद्धरत रूस में मौत होने पर भारत सरकार व हरियाणा सरकार का ध्यान आकर्षित किया कि हरियाणा के युवाओं के जीवन को विदेशों में युद्ध में बेमतलब झोंकने से बचाया जाए। प्रदेश में युवाओं के लिए उन्होंने विकल्प रोजगार की व्यवस्था करने की मांग की।

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

पर्यटन स्थल / समीर चौधरी

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित रहें। *

नदीगाथा / वीना गौतम

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण

अमरीश पुरी

अमजद खान

प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *